

Roll No :

Total No. of Questions : 12]

[Total No. of Printed Pages : 4

A-345

B.A. (Part-III) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

(आधुनिक काव्य)

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 100

Section-A

(Marks : 2 × 10 = 20)

Note :- Answer all *ten* questions (Answer limit 50 words). Each question carries 2 marks.

(खण्ड-अ)

(अंक : 2 × 10 = 20)

नोट :- सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा 50 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

Section-B

(Marks : 8 × 5 = 40)

Note :- Answer any *five* questions out of seven (Answer limit 200 words). Each question carries 8 marks.

(खण्ड-ब)

(अंक : 8 × 5 = 40)

नोट :- सात में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा 200 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

Section-C

(Marks : 20 × 2 = 40)

Note :- Answer any *two* questions out of four (Answer limit 500 words). Each question carries 20 marks.

(खण्ड-स)

(अंक : 20 × 2 = 40)

नोट :- चार में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा 500 शब्द)। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

BI-399

(1)

A-345 P.T.O.

1. सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
 - (i) 'शम्बूक' खण्डकाव्य में कवि ने लोकनायक की क्या विशेषताएँ बतायी हैं ?
 - (ii) कवि जगदीश गुप्त का मनुष्य एवं मानवता के प्रति क्या दृष्टिकोण है ?
 - (iii) 'ले चल मुझे भुलावा देकर' गीत का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
 - (iv) 'संध्या सुंदरी' कविता में प्रयुक्त प्रमुख अलंकार कौनसा है ? सोदाहरण समझाइए।
 - (v) 'अग्निपथ' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश प्रेषित करना चाहता है ?
 - (vi) 'बबूल' कविता की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए।
 - (vii) 'हँसो हँसो जल्दी हँसो' कविता में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
 - (viii) दुष्यन्त कुमार की गजलों की विशेषताएँ लिखिए।
 - (ix) मार्क्सवादी साहित्य की चार विशेषताएँ बताइए।
 - (x) स्त्री विमर्श क्या है ? संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

नोट :- सात में से किन्हीं पाँच पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. सभी पृथ्वी-पुत्र हैं तब जन्म से
क्यों भेद माना जाय
जन्मजात समानता के तथ्य पर
क्यों खेद माना जाय
 'जन्मना जायते शुद्ध'
क्या नहीं सबके लिए यह सत्य
और 'संस्कारात् ही द्विज उच्यते'
की घोषणा का क्यों न हो सातत्य।
3. विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न-
अमल-कोमल-तनु तरुणी-जूही की कली,
दृग बन्द किए, शिथिल,- पत्राङ्क में,
वासन्ती निशा थी;
विहर-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।

4. तुम मुझ में प्रिय! फिर परिचय क्या!
तारक में छवि प्राणों में स्मृति,
पलकों में नीरव पद की गति,
लघु उर में पुलकों की संसृति,
भर लाई हूँ तेरी चंचल
और करूँ जग में संचय क्या!
तेरा मुख सहाय अरुणोदय,
परछाई रजनी विषादमय
यह जागृति वह नींद स्वप्नमय,
खेल-खेल थक थक सोने दो
मैं समझूँगी सृष्टि प्रलय क्या!
5. “श्रेय नहीं कुछ मेरा :
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में-
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था—
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था :
वह तो सब कुछ की तथता थी—
महाशून्य
वह महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन
सब में गाता है।”
6. एक गाँव है, वहाँ नदी है,
नदी कूल से दूर दिशा तक खेत बिछे हैं
हरे-भरे वे श्यामल श्यामल
जिनमें छिपी, छिपी फिरती है लाल ओढ़नी,
मुँह की श्यामल चमक सुरीली
साथ-साथ मेहनत के पुतले
शोषण-हत ग्म खाने वाले
दुःख के स्वामी

अविश्रान्त वे काले-काले हाथ व्यस्त हैं
रिक्त पेट की आँखों में दुःख के प्रवाह ले
जिनकी बेबस कर्मशीलता ने युग-युग के
गौर कपोलों में लाली की मदिरा भर दी।
आह! त्याग की उत्कट प्रतिमा होरी महतो, भोली धनिया
जाग रहे हैं,
काम कर रहे हैं अब भी खेतों में

7. गरीबी

एक खुली हुई किताब
जो हर समझदार
और मूर्ख के हाथों में दे दी गई है।
कुछ उसे पढ़ते हैं
कुछ उसके चित्र देख
उलट-पुलट रख देते
नीचे शो केश के।

8. वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है,
माथे पर उसके चोट का गहरा निशान है।
वे कर रहे हैं इश्क पे संजीदा गुफ्तगू,
मैं क्या बताऊँ मेरा कहीं और ध्यान है।
सामान कुछ नहीं है फटेहाल है मगर,
झोले में उसके पास कोई संविधान है।
उस सिरफिरे को यों नहीं बहला सकेंगे आप,
वो आदमी नया है मगर सावधान है।

खण्ड-स

प्रत्येक 20

नोट :- चार में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. 'शम्बूक' खण्डकाव्य के आधार पर कवि श्री जगदीश गुप्त की समसामयिक चेतना को समझाइए।
10. नागार्जुन मार्क्सवादी विचारधारा के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।
11. सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
12. 'हिन्दी साहित्य और दलित विमर्श' विषय पर लेख लिखिए।

BI-399

(4)

A-345